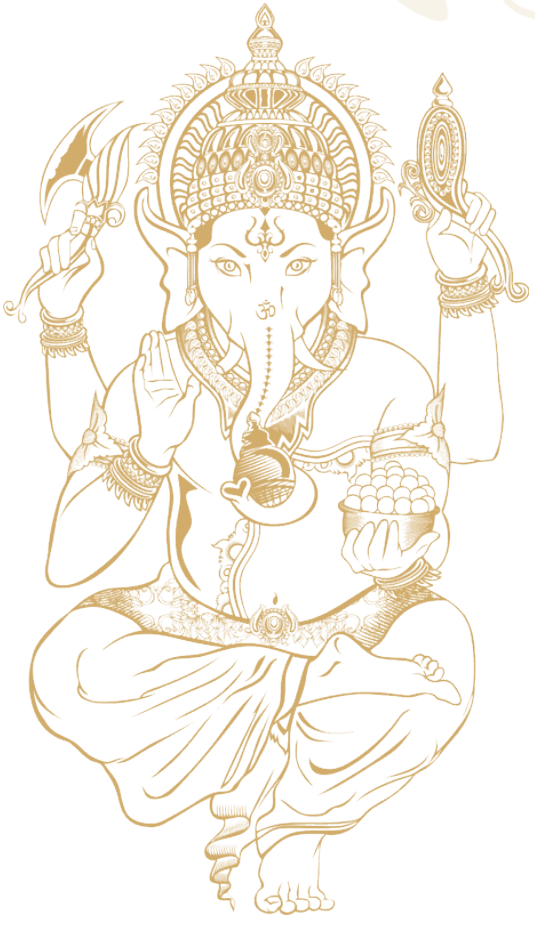

Punit jhalawar

Vibhooti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121246502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/11/1996	जन्म तिथि	12/09/1998
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 16:20:00	जन्म समय	18:40:00 घंटे
घटी 24:00:37	जन्म समय(घटी)	31:14:02 घटी
India	देश	India
Jhalawar	स्थान	Kota
24:36:00 उत्तर	अक्षांश	25:11:00 उत्तर
76:09:00 पूर्व	रेखांश	75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:25:24	स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:43:45	सूर्योदय	06:10:53
17:37:29	सूर्यास्त	18:33:42
23:48:49	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 16वर्ष 4मा 24दि		11:00:03	मेष	लग्न	कुंभ	29:03:40	चन्द्र 3वर्ष 4मा 14दि	
गुरु		02:34:10	वृश्चि	सूर्य	सिंह	25:44:02	राहु	
14/04/2013		07:51:03	कुंभ	चंद्र	वृष	18:50:10	26/01/2009	
14/04/2029		16:26:09	सिंह	मंगल	कर्क	20:39:21	26/01/2027	
गुरु	02/06/2015	11:59:46	वृश्चि	बुध	सिंह	14:01:36	राहु	09/10/2011
शनि	13/12/2017	22:02:16	धनु	गुरु व	कुंभ	29:41:41	गुरु	04/03/2014
बुध	20/03/2020	00:30:14	तुला	शुक्र	सिंह	13:15:55	शनि	08/01/2017
केतु	24/02/2021	06:59:50	मीन व	शनि व	मेष	09:08:01	बुध	28/07/2019
शुक्र	26/10/2023	13:01:05	कन्या	राहु व	सिंह	07:31:05	केतु	15/08/2020
सूर्य	13/08/2024	13:01:05	मीन	केतु व	कुंभ	07:31:05	शुक्र	15/08/2023
चन्द्र	13/12/2025	07:28:49	मक	हर्ष व	मक	15:29:45	सूर्य	09/07/2024
मंगल	19/11/2026	01:39:59	मक	नेप व	मक	05:46:21	चन्द्र	08/01/2026
राहु	14/04/2029	08:55:20	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:39:57	मंगल	26/01/2027

लग्न-चलित

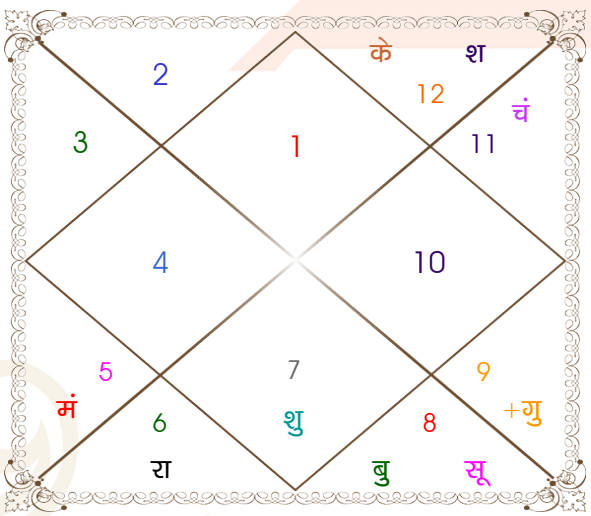

लग्न-चलित

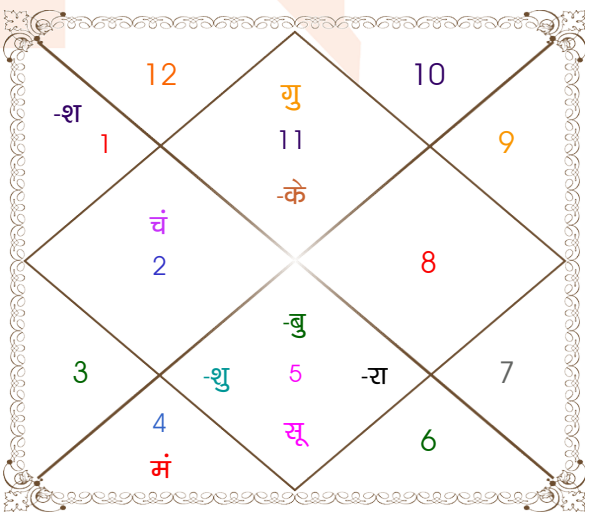

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

च्नदपज रींसूंत का वर्ग मार्जार है तथा टपइीववजप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च्नदपज रींसूंत और टपइीववजप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

च्नदपज रींसूंत मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

टपइीववजप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

च्नदपज रींसूंत तथा टपइीववजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।